" JIITians will be delighted to go through the speech delivered by our Honorable Founder Chairman Shri Jaiprakash Gaur ji during 5th Convocation of JUIT on 24th November 2014 at Waknaghat. His speech is inspirational and highly motivating. It is bound to help most of us in meeting the daily challenges and overcome daunting circumstances as we go thru the journey of our life. A 'must read' for all. "

# जेपी यूनिवर्सिटी वाक्नाघाट के पांचवें दीक्षांत समारोह के अवसर पर जयप्रकाश द्वारा संबोधन

## 24—11—2014

1 माननीया महामहिम एवं कुलाधिपति महोदया
2 मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री जी
3 माननीय मंत्री श्री धनीराम शाडिंल जी
4 आज के इस समारोह के Guest of Honour श्री सज्जन जिन्दल जी
5 Board के माननीय सदस्यगण
6 आदरणीय शिक्षकगण
7 उपाधि प्राप्त करने वाले युवा साथियो
8 उपस्थित सभी छात्र, छात्रायें
9 Media के प्रतिनिधिगण
10 आदरणीय महिलायें, अतिथिगण

आज का दिन आन्नददायी है, प्रेरणा के क्षण हैं, जहॉ हमारे प्रिय युवा साथियों को Degrees दी जायेंगी। इन्होंने इन Degrees को प्राप्त करने के लिये बहुत परिश्रम किया है। मैं इनके भावी जीवन के लिये बधाई देता हूॅ। साथ ही सभी शिक्षकों की सराहना करता हूॅ जिन्होंने अपने ज्ञान से इन युवा साथियों को पढ़ाया।

मानव जीवन के जन्म लेने के बाद सबसे मुख्य भूमिकाः

**माता पिता की होती है जो शुरू में आपको पालते हैं व माता—पिता के बाद श्रेय शिक्षकों को जाता है जो आपके जीवन का भविष्य बनाते हैं।**

हम यहॉ जो Dias पर बैठे हैं व सामने पहली तीन Rows में आप उपस्थित हैं, उसका श्रेय माता—पिता, शिक्षकों एवं स्वयं के परिश्रम को जाता है।

सन् 2009 से 2014 को छोड़कर सन् 1991 से अब तक देश की आर्थिक प्रगति हुई है व अगले 10 वर्ष में बहुत अच्छी होने जा रही है वहीं समाज में विसंगतियां भी बढ़ती जा रही हैं और जैसे—जैसे Economic Growth बढ़ती जायेगी, विसंगतियां बढ़ेंगी। क्योंकि लक्ष्मी का स्वभाव है कि यह जब भी, जहॉ जाती है ऐसे माहौल बनाती हैं कि बहुत कम लोग लक्ष्मी का सही उपयोग कर पाते हैं या रख पाते हैं इसलिये लक्ष्मी को चंचला कहा गया है। यह बहुतों के पास आ तो जाती है मगर आने से पहले ही

जाने का रास्ता बना लेती है। युवा साथियों को सावधान रहना होगा कि लक्ष्मी को कमायें तो, परन्तु सदुपयोग कैसे करें, सावधानी बरतें।

सन् 1983 से मेरे मन में विचार आया कि इस देश में गरीब लोगों को जिनमें से बहुतों को न तो शिक्षा मिल रही है और न ही स्वस्थ जीवन जी पा रहे हैं। इस अभाव को कम करने के लिये मेरी व इस Group की Priority बनी कि कार्य के साथ–साथ, हम अधिक से अधिक इन अभावों को दूर करें। इस प्रकार लक्ष्मी का सही उपयोग होगा व आज इस Group में 35,000 बच्चों को शिक्षा दी जा रही है।

जो बच्चे पैसों के अभाव के कारण पढ़ नहीं पा रहे उन्हें Free Education दी जा रही है व Midday Meal दिया जाता है।

इसी प्रकार जो व्यक्ति Below Poverty Line के होते हैं उन्हें Medical Facilities Free दी जाती है। आज करीब 20,000 से भी ज्यादा व्यक्तियों को यह सुविधा दी जा रही है, भविष्य में यह संख्या बढ़ती रहेगी, ऐसी इस Group की मान्यता है।

हमारे देश की संस्कृति में दान बता कर नहीं दिया जाता। मेरा विश्वास है कि जो भी हमारे पास है व होगा वह सब ईश्वर की धरोहर है। ईश्वर ने हमको इसका Trustee बनाकर भेजा है और as Trustee हम इसको कैसे खर्च करते हैं, हमारी जिम्मेदारी बनती है।

मैं अधिक न कह कर यही अनुरोध करूंगा कि मेरे युवा साथी जीवन में ऐसा कोई कार्य न करें जिससे स्वयं के कार्य पर पर उन्हें संकोच हो।

जब आप कार्यक्षेत्र में जायेंगे तो बहुत सी बातों पर आपसे बड़ों या छोटों से मतभेद होना स्वभाविक है इनसे निपटने के लिये जो मैंने सीखा है, **''बर्दाश्त करना''** यानि Tolerance. इसलिये आपको बर्दाश्त करते रहना पड़ेगा तभी सफलता मिलती रहेगी।

हमारे कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री ने देश की जनता सेवा की है व कर रहे हैं। वे अपना अनुभव बता सकते हैं कि कैसे–कैसे, किन–किन परिस्थितियों मे स्थिर भाव रह कर यहां तक का सफर तय किया है।

हमारा सौभाग्य है कि प्रिय सज्जन जिन्दल, Chairman & Managing Director, JSW Steel Group ने हमारे अनुरोध को स्वीकार कर, as Guest of Honour हमारे बीच बैठे हैं ।
हम उनका आभार प्रकट करते हैं।

इस Dias पर बैठे 4 व्यक्तियों की बहुत सी बातों में एकता है। जयप्रकाश, प्रिय सज्जन जिन्दल, प्रिय मनोज गौड़ व प्रिय सुनील कुमार। By profession तीनों Engineer हैं और प्रिय सुनील कुमार BSc.

मैंने सन् 1950 में रूड़की से Civil Engineering में Diploma किया व 100 रूपये से कार्य शुरू किया।

प्रिय मनोज ने BITS, Pilani से Engineering करके Jaypee Group में Rewa के प्रथम Cement Plant में सन् 1985 से 1987 तक दो साल as Coordinator का कार्य किया। इस के बाद 2 साल 1987 से 1989 तक सरदार सरोवर बांध, (Gujarat) की foundation में as ex-Director Concrete डलवाई। 1990 में एक साल Delhi H.O. में HRD में कार्य किया। परन्तु इन को जहां जाना चाहिये था, वहीं फिर Rewa वापिस गये और 32 Million Tonne के 20 जगह MP, UP, Gujrat, HP, Jharkhand में Cement Plants लगाये और इस प्रकार से Cement Projects लगाने के Expert बन गये उसी के फलस्वरूप 2006 से इनको Jaypee Group के Chairman का उत्तरदायित्व दिया गया एवं साथ ही Universities में कैसे अच्छी शिक्षा दी जाये इस की भी इनको जिम्मेदारी दी गई।

प्रिय सुनील शर्मा जी सन् 1979 से मेरे साथ रह कर, अपनी लग्न एवं कठोर परिश्रम से Jaypee Group के Hydro Power Projects, Hotels व Yamuna Expressway, Greater Noida व Noida की Real Estate की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं और इसलिये Group ने इन्हें 2006 में Executive Vice Chairman बनाया।

हमारे Guest of Honour Sh Sajjan Jindal जी ने Bangalore से Engineering की। आपके पिता जी ने भी मेरी तरह Orissa से अपने जीवन में कार्य शुरू किया और श्री सज्जन जिन्दल जी ने अपने पूज्य पिता जी के साथ कम्पनी के Mumbai के कारखाने में कार्य करने का फैंसला लिया। जैसा कि मैंने सुना है इनको पहले प्रयास में सफलता कम मिली परन्तु इन की हिम्मत, इनका साहस, इन की क्षमता के आगे इनकी पहली विफलता पीछे रह गई, और इन्होंने Steel Production के क्षेत्र में अपने जीवन की Priority रखी व आज भारत में करीब 14.3 मिलियन टन Steel का Production सालाना कर रहे हैं। इनका सालाना Turnover 70,000 करोड़ रूपये है। ऐसा नहीं कि, इन्हें सदा सफलता ही मिली। अभी कुछ साल पहले एक ऐसी स्थिति इन्होंने देखी है, कि जब हम सभी यह अनुभव कर रहे थे कि कैसे इन परिस्थितियों से ये निकलेंगे। परन्तु इनका अदम्य साहस, इनकी सोच, कार्य करने की शैली चुम्बकीय है और इनका व्यवहार आर्कषक। बहुत कम शब्दों में व बहुत कम समय में ये बड़े से बड़े Decision देने के आदी हैं। भारत में पिछले दस सालों में इन्होंने जो success पाई है उस पर हमें व देश को नाज है और हमारी शुभकामनायें, कि ये इसी प्रकार और सफलता पायें व देश का मान बढ़ायें। आश्चर्य की बात है कि सज्जन जी देश की बगैर Iron Ore Mines के, Steel Production कर रहे हैं। इन्होंने Japan से प्रेरणा ली कि जैसे वह विदेशों से Iron Ore लाकर अपने यहां अच्छी Quality का Steel बनाकर Export करते हैं, इसी प्रकार प्रिय सज्जन जी विदेशों से Iron Ore लाकर अपने देश में Steel बनाते हैं।

दोस्तो, इनके इस अदम्य साहस के लिये में चाहूँगा कि आप सब तालियां बजाकर करतल ध्वनि से इनका सम्मान करें।

मुझे पिछले 50 वर्षों में जिन शब्दों से, वाक्यों से ऊर्जा मिली है, उन शब्दों को, वाक्यों को आपसे share करना चाहूँगा, मुझे विश्वास है कि आपको सुनना ठीक लगेगा व उनमें जो positive vibes हैं, उन्हें आत्मसात करें।

1. Fearlessness

2. Forgiveness

3. Take the first step in faith. You don't have to see the whole staircase. Just take the first step.

4. Life is a series of problems: Either you are in one now, or you're just coming out of one, or you're getting ready to go into another one.

5. Yesterday is beyond repair. Tomorrow may never come. Today alone is ours. Therefore, make the best use of today.

6. "When you fail, congratulate yourself for having tried. Then get up and try again"

7. "Blessed are the flexible, for they shall not be bent out of shape"
8. "Being quick to apologize is one of the smartest things you can do"

9. "Courtesy and manners are very important because they are expressions of love, and love is the most important thing"

10. "Success is the reward of persistence"

11. "Giving is the most fulfilling of all pleasures"

12. The only permanent failure is failure to learn from our mistakes.

13. If you want to be happy and successful in life, never stop learning.

14. Leadership isn't about being the best; it's about bringing out the best in others.

15. Everyone has some quality, you can admire them for. Find it, and be generous in your applause.

16. Putting others' needs before your own is the shortest and surest road to happiness.

17. Lasting happiness doesn't come from what you get, but from what you give.

18. Worry ends where faith begins.

19. The road to success isn't a superhighway. It's a rugged mountain trail, found only by visionaries and traveled only, by the most courageous and persevering.

20. If we never experienced failure, we would never appreciate success.

21. We each bring something unique to the world; therefore we each have something to offer others.

22. Decisions can be hard for a man to make, but hard decisions make a man.

23. Do not raise your voice, improve your argument.

24. We must adjust, persist & succeed.

यह सच है, कि मैंने कभी सोचा नहीं था कि इतने सालों तक मैं जीवित रह पाऊंगा इसलिये कुछ समय पुस्तकें पढ़ने में लगता है। देश एवं विदेश की स्थिति के बारे में सोचता हूँ कि हर देश की हर 10 साल में स्थिति बदल जाती है। 1960 से 1970 के दशक में हम यह सोचते थे कि आबादी हमारे ऊपर भार है वहीं 1995 से 2010 तक इसी Population के युवा, युवतियां देश के Assets बन गये। 25 साल पहले हम अलोचना करते थे कि IIT में एक–एक Engineer पर डेढ़ लाख रूपया सरकार का खर्च होता है। आज उन्हीं अच्छे Engineers ने बाहर जाकर देश को खरबों रूपये कमा कर दिये।

मैं आज अनुभव करता हूँ कि आजादी मिलने के बाद हमारी यह जिम्मेदारी बनी कि हमें कड़ी मेहनत करनी है हमारे जैसे युवा व्यक्तियों ने सन् 1950 से आज तक बहुत कठिन परिश्रम किया है और देश यहां तक पहुंचा है। जो व्यक्ति आज 40 से 50 वर्ष तक की उम्र के हैं, वे 20 वर्ष और कार्य कर पायेंगे।

अब अगले 50 वर्षों में आपकी युवा पीढ़ी ही इस देश को उस स्थिति में ला पायेंगे जहां सब शिक्षित हों, सभी को कार्य करने को मिले, विश्व में आपको व आपके देश को संसार आदर से देखे। इसलिये अपने जीवन को एक मिशन बना कर, आगे बढ़ें।

मेरी आपको बहुत–बहुत शुभकामनायें व बधाईयां।

धन्यवाद,

जयहिन्द!

जयप्रकाश

जयप्रकाश